भूगोल में मेकिण्डर के योगदानों का वर्णन करें ?

हैल्फोर्ड जान मेकिण्डर का जन्म ब्रिटेन मे 15 जनवरी 1861 में हुआ था। ब्रिटिश भूगोलवेत्ताओं में सबसे अधिक विख्यात भूगोलवेत्ता मेकिण्डर थे। इसी लिए मेकिण्डर को ब्रिटिश भूगोल का पितामह कहा जाता है। इनकी शिक्षा शिक्षा ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में हुई। 1887 में आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम जब भूगोल विभाग खोला गया तो उसमे रीडर पद पर मेकिण्डर की नियुक्ति किया गया उस समय मेकिण्डर की उम्र 26 वर्ष थी। सन 1899 में रोयल ज्योग्राफीकल सोसाइटी लंदन नाम से एक भौगोलिक संस्था की स्थापना की गयी जिसका उद्देश्य भूगोल वेत्ताओं को प्रशिक्षण देना था जिसकी स्थापना मेकिण्डर के निर्देशन में किया गया। वर्ष 1899 में मेकिण्डर ने आफ्रिका के माउण्ट कीनिया पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति बने। वर्ष 1902 ई० में इन्होंने Britain and the British seas नाम पुस्तक लिखि। सन 1892 से 1903 तक यूनिवर्सिटी कालेज रैडिंग का Principal रहे। सन 1904 में "The Geographical Pivot of History" नामक निबंध प्रकाशित हुआ जिसके कारण मैकिण्डर को विश्वस्तर पर एक भूगोलविद् के रूप में ख्याति मिली। वर्ष 1905 से 1908 ई० तक विश्वविख्यात "लन्दन स्कूल ऑफ इकनोमिक्स" का डायरेक्टर रहे। 1910 से 1922 तक पर्लियामेण्ट के सदस्य रहे। मेकिण्डर प्रिवी काउन्सलर तथा "इम्पीरिल शिपिंग कमिटी" के चेयर मैन रहे। मेकिण्ड 86 वर्ष की आयु में 6 मार्च 1947 में लंदन में मृत्यु हो गयी।

मेकिण्ड की रचनाएँ :→ इनकी प्रमुख रचनाए निम्न हैं :-

(i) "Britain and the British seas" (1902)

(ii) "The Geographical Pivot of History" (1904) यह निबंध मेकिण्डर ने रॉयल ज्योग्राफिकल सोसाइटी की बैठक में पढ़ी इस "इतिहास का भौगोलिक धुराग्र" में वर्णित "हृदय स्थल सिद्धान्त" काफी विख्यात हुआ। 1919 में मेकिण्डर ने हृदय स्थल में डेन्यूब क्षेत्र एशिया माइनर तिब्बत, मंगोलिया आदि क्षेत्रों को शामिल किया। मेकिण्डर के अनुसार हृदय स्थल एक ऐसा था जहाँ जलशक्ति का प्रवेश असम्भव था। मेकिण्डर ने अपने विश्व द्वीप में एशिया आफ्रीका व यूरोप को शामिल किया था।

(iii) Democratic Ideals and Reality (1919) यह प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात प्रकाशित हुआ इसी आधार पर जर्मनी ने इसी हृदय स्थल को संसार पर प्रभुत्व जमाने के लिये प्रयोग करने का प्रयत्न किया था। 1939 के बाद इनकी यह पुस्तक 'लोकतन्त्रात्मक आदर्श और यथार्थता' (Democratic Ideals and Reality) का पुनः प्रकाशन हुआ उनकी यह सिद्धान्त विश्वविख्यात बना दिया जो भूगोल के क्षेत्र में पहली बार हुआ।

मेकिण्डर का हृदय स्थल सिद्धान्त

इस सिद्धान्त के अनुसार :-

(i) "जो पूर्वी यूरोप पर शासन करता है, हृदय स्थल को नियंत्रित करता है।

(ii) जो हृदय स्थल पर शासन करता है, वह विश्व द्वीप को नियंत्रित करता है।

(iii) जो विश्व द्वीप पर शासन करता है, विश्व को नियंत्रित करता है।"

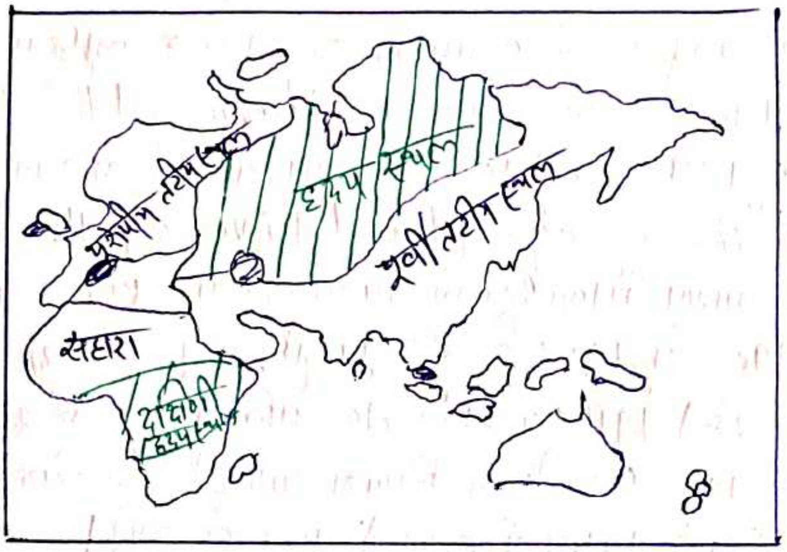

मेकिण्डर का हृदय स्थल — ////

मेकिण्डर ने एशिया, यूरोप तथा अफ्रिका के सम्मिलित महाद्वीप को पूरे आफ्रोशियन को संसार द्वीप का नाम दिया था। पुरानी दुनिया के केन्द्रीय भाग के 'हृदय स्थल' सिद्धान्त के भूराजनीतिक महत्व ने मेकिण्डर को विश्व विख्यात बना दिया। मेकिण्डर ने बताया जलशक्ति एवं स्थल शक्ति में संघर्ष होता रहा है इसमें स्थल भाग मजबूत रहा है। इन्होंने बताया यूरोप, एशिया एवं अफ्रिका को विश्व द्विप माना जहा विश्व की 88% जनसंख्या रहती है।

धुरी क्षेत्र (Hartland) :- मेकिण्डर के अनुसार तीन ओर से पर्वतों से घीरा एवं उत्तर में हिमआच्छादित आर्कटिक महासागर द्वारा घिरा हुआ क्षेत्र है। इसका विस्तार वोल्गा नदी से लेकर पूर्वी साइबेरिया तक तथा द० में वलित पर्वत जैसे हिमालय हिन्दुकुश और पामीर पठारों से लेकर उत्तरी पूर्व में आंटार्कटिक तक। यह संसाधन स्थल है। इस स्थल क्षेत्र की विशेषता सामुद्रिक शक्तियों से बन्द था। यह एक किले जैसा था। जो सामुद्री आक्रमणों से सुरक्षित है। इस लिए मेकिण्डर ने बताया कि जो धुरी क्षेत्र पर शासन करेगा वह पुरे विश्व पर राज्य करेगा।

लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मेकिन्डर की Theory के विपरित हो गया क्योंकि इनका हार्ट लैंड यानी धुरी प्रदेश में बसा जर्मनी USSR से हार गया। U.S.A ने जापान पर परमाणु बम गिरा कर महा शक्ति के रूप में उभरा।

हम अन्त में कह सकते हैं कि आज कोई भी क्षेत्र सुरक्षित नहीं है क्योंकि अब आक्रमण मिसाईल या बमो से हो रहा है। जो पहाड़ों के बीच बसा क्षेत्र पर भी ऊपर से हवाई जहाज द्वारा बम गिरा कर तबाह किया जा सकता है।